Title: Need to take up the matter of securing the release of Indian fishermen under custody in Pakistan.

श्री दह्याभाई वल्लभभाई पटेल (दमन और दीव) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं सरकार का ध्यान पाकिस्तान की समुद्री सुरक्षा एजेंसियों द्वारा भारतीय मछुआरों को ओखा/जाखव के नजदीक अरब सागर में भारतीय सीमा में घुसकर पकड़ कर ले जाने की ओर दिलाना चाहता हूं। इस कार्यवाही के दौरान भारतीय तटरक्षक मूक दर्शक बने रहते हैं। इसका एक कारण यह भी है कि भारत और पाकिस्तान के बीच समुद्री सीमा स्पट रूप से निर्धारित नहीं है। इसे निशान लगाकर स्पट किया जाना चाहिए। दोनों देशों के बीच ऐसी कार्यविधि या तंत्र विकसित किया जाना चाहिए ताकि गलती से एक दूसरे की जल सीमा में प्रवेश करने वाले मछुआरों को कुछ जुर्माना लगा कर वहीं छोड़ दिया जाये तथा त्स्करी या अन्य अवैद्य कार्य में लगी बोटों को ही पकड़ा जाये।

इस संबंध में मैं सरकार की जानकारी में यह बात लाना चाहता हूं कि इस समय दमन दीव, गुजरात और महाराट्र के 842 मछुआरे तथा 148 बोटें पाकिस्तान के कब्जे में है। पाकिस्तान में कैद मछुआरों की हालत बहुत दयनीय और चिंताजनक है। दीव क्षेत्र के दो मछुआरों की पहले ही इस हालत में मौत हो चुकी है। इस स्थिति के कारण 3000 परिवारों के लिए रोजी-रोटी की समस्या पैदा हो गयी है।

इसलिए मेरा केन्द्र सरकार से निवेदन है कि इस मामले को तुरंत पाकिस्तान सरकार के साथ उठाए ताकि इन मछुआरों को बोटों सहित पाकिस्तान से छुड़ाया जा सके। यह भी सर्वदा उचित होगा कि इस संबंध में पाकिस्तान सरकार पर दवाब डालने के लिए संसद सदस्यों के एक प्रतिनिधि मंडल को पाकिस्तान जाने की अनुमति दी जाये ताकि इन 3000 परिवारों का उद्धार हो सके।